दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२९७ वा | बुधवार २८ मे २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

ऑपरेशन सिंदूर का संदेश लेकर कुवैत पहुंचे ओवैसी, पाकिस्तान को बताया 'बेवकूफ जोकर'

भारत की कूटनीतिक रणनीति के तहत ओवैसी ने पाकिस्तान को किया बेनकाब

कुवेत सिटी संवाददाता

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM²) के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कुवैत में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान पाकिस्तान की सेना पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पाकिस्तान द्वारा भारत पर 'जीत' की फर्जी तस्वीर दिखाने को बेवकूफी और पाकिस्तानी सेना को जोकर करार दिया।

दरअसल, हाल ही में पाकिस्तान की सेना ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को एक तस्वीर भेंट की थी जिसे भारत पर सैन्य विजय के रूप में प्रस्तुत किया गया। लेकिन बाद में यह स्पष्ट हुआ कि वह तस्वीर चीन के २०१९ के सैन्य अभ्यास की थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए ओवैसी ने कहा -

ये लोग भारत से मुकाबला करना चाहते हैं, और दूसरों की तस्वीरें चुराकर अपनी जीत का ढोंग करते हैं। पाकिस्तान को कोई गंभीरता से लेने की ज़रूरत नहीं है।

भारत की वैश्विक रणनीति के तहत दौरा

ओवैसी की यह विदेश यात्रा भारत सरकार द्वारा भेजे गए एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उजागर करना और पाकिस्तान की आतंकी गतिविधियों को बेनकाब करना है। इस मिशन के तहत ओवैसी ने न सिर्फ कुवैत में बल्कि बहरीन में भी पाकिस्तान की पोल खोलने वाले बयान दिए।

बहरीन में भी आतंक पर कड़ा रुख

बहरीन में ओवैसी ने कहा -

भारत आतंकवाद का पीड़ित है और इसकी जड़ें पाकिस्तान में हैं। जब तक पाकिस्तान आतंकियों को समर्थन देना बंद नहीं करता, क्षेत्र में स्थायी शांति संभव नहीं है।

ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि

२२ अप्रैल २०२५ को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में २६ निर्दोष नागरिकों की जान गई थी। जांच में इसके तार पाकिस्तान से जुड़े पाए गए। इसके जवाब में भारत ने ६-७ मई की रात को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में मौजूद आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए।

इन स्ट्राइक में सैकड़ों आतंकवादी मारे गए। इसके बाद पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइल से जवाबी हमले की कोशिश की, लेकिन भारत की ड-४०० और आकाशतीर डिफेंस सिस्टम ने उन्हें हवा में ही नष्ट कर दिया। भारत ने फिर पाकिस्तान के नौ एयरबेस पर सर्जिकल एयरस्ट्राइक की।

संघर्ष विराम और भारत की शर्तें

लगातार विफलताओं के बाद पाकिस्तान ने संघर्ष विराम की मांग की, जिसे भारत ने रणनीतिक शर्तों के साथ स्वीकार किया। ओवैसी के दौरे से स्पष्ट है कि भारत अब सैन्य के साथ-साथ कूटनीतिक और वैचारिक मोर्चों पर भी पाकिस्तान को घेर रहा है।

महाराष्ट्र राज्य उर्दू अकादमी के पुनर्गठन की मांग

अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू नागपुर के प्रतिनिधिमंडल ने अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष प्यारे खान से की मुलाकात

नागपुर, २७ मई: अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू (शाखा नागपुर) के एक प्रतिनिधिमंडल ने महाराष्ट्र राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री प्यारे खान से भेंट कर उन्हें

एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें महाराष्ट्र राज्य उर्दू अकादमी के पुनर्गठन की मांग की गई।

ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि अकादमी का वार्षिक बजट बढ़ाया जाए तथा पूर्व में आवंटित लेकिन अब तक जारी न हुआ फंड तत्काल रिलीज किया जाए। चूंकि नागपुर महाराष्ट्र की उप-राजधानी है, इसलिए प्रतिनिधिमंडल ने यह भी मांग की कि उर्दू अकादमी का मुख्यालय मुंबई से स्थानांतरित कर नागपुर लाया जाए।

श्री प्यारे खान ने सभी मांगों को गंभीरता से सुना और प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि वे इस संबंध में मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस से व्यक्तिगत रूप से चर्चा करेंगे और आवश्यकता पड़ने पर प्रतिनिधिमंडल की उनसे मुलाकात भी करवाएंगे।

प्रतिनिधिमंडल में अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू शाखा नागपुर के सचिव डॉ. अज़हर हयात, प्रख्यात शायर और साहित्यकार श्री वहीद शेख तथा समाजसेवी श्री अशरफ़ अली शामिल थे।

श्री प्यारे खान ने उर्दू अकादमी से संबंधित सभी पहलुओं पर गंभीरता से चर्चा की और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

इस समय अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू शाखा नागपुर के सचिव डॉ. अज़हर हयात, श्री वहीद शेख और श्री अशरफ़ अली भी मौजूद थे।

जिले के इतिहास में पहली बार मे महिने में बिंदुसरा नदी उफान पर

बीड़ । संवाददाता

मंगलवार को दिनभर हुई मूसलधार बारिश के कारण बीड़ जिले के इतिहास में पहली बार बिंदुसरा नदी अपने मध्य भाग में उफान पर आ गई। लगातार बारिश से जिले के कई इलाकों में पानी भर गया और कपिलधारा का झरना भी बहने लगा। मौसम विभाग ने भी बारिश में तेज़ी की संभावना जताई है।

बारिश के कारण भूगर्भ जलस्तर में सुधार हुआ है, जिससे जलस्रोतों में भी पानी की मात्रा बढ़ गई है। बीड़ के बालापुर तालुका क्षेत्र में बिंदुसरा नदी में तेज बहाव देखा गया, जिससे दैनिक जीवन भी प्रभावित हुआ।

बिजली के करंट से पिता-पुत्र की मौत

गंगाखेड़ तालुक़ा के तलवाडा गांव में बिजली के करंट की चपेट में आकर पिता और पुत्र की मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब वे खेत में काम कर रहे थे।

जिले में छह महसूल मंडलों में अतिवृष्टि दर्ज

बीड़, पाटोदा, गेवराई तालुक़ों में सोमवार को कुल छह महसूल मंडलों में औसत से अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई। इनमें से सबसे ज़्यादा बारिश गेवराई के महसूल मंडल में ५८.४ मिमी रही। इसके अलावा पाटोदा में ५७ मिमी, बीड़ में ४० मिमी, माजलगांव में ३२ मिमी, धारूर में ३१ मिमी और केज में ३० मिमी बारिश दर्ज की गई।

मुख्यमंत्री ने दिए नुकसान का तत्काल पंचनामा करने के निर्देश

मंत्रिमंडल बैठक में अतिवृष्टि से उत्पन्न हालातों की समीक्षा

रिपोर्ट: जमीर काज़ी । मुंबई

महाराष्ट्र में हाल ही में हुई अतिवृष्टि के चलते उत्पन्न हुई स्थिति की समीक्षा आज राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में की गई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों की फसलों और नागरिकों के घरों को हुई क्षति का पंचनामा तुरंत किया जाए और प्रभावितों को यथाशीघ्र मुआवजा प्रदान किया जाए।

बैठक की शुरुआत में ही राज्य में अतिवृष्टि, बांधों में पानी की स्थिति और फसल की हालात की विस्तृत समीक्षा की गई। इसके साथ ही आपदा प्रबंधन से जुड़ी विभिन्न एजेंसियों की तत्परता और समन्वय पर भी चर्चा की गई।

इस बैठक में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन, महिला और बाल विकास मंत्री अदिती तटकरे, खेल और युवा कल्याण मंत्री दत्तात्रय भरणे, रोजगार गारंटी मंत्री भरत गोगावले, मत्स्य व्यवसाय व बंदरगाह विकास मंत्री निलेश राणे सहित अन्य मंत्रियों ने भाग लिया।

मदद व पुनर्वास विभाग की प्रमुख सचिव सोनिया सेठी ने एक प्रस्तुति के माध्यम से बताया कि राज्य आपातकालीन नियंत्रण केंद्र से बचाव और राहत कार्य के लिए प्रभावी समन्वय किया जा रहा है। 'सचेत' प्रणाली के माध्यम से अब तक १९ करोड़ २२ लाख मोबाइल अलर्ट संदेश भेजे जा चुके हैं।

राज्य आपातकालीन नियंत्रण केंद्र को अत्याधुनिक संचार प्रणाली और डिजास्टर सपोर्ट सिस्टम (उडड) से लैस किया गया है। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (डउठक्र) की दो-दो टीमें नागपुर और धुले में तैनात की गई हैं। इनमें से कुछ टीमें नांदेड और गढ़चिरौली के लिए रवाना हो चुकी हैं।

अब तक राज्य में बिजली गिरने, दीवार ढहने, पेड़ गिरने और डूबने जैसी घटनाओं में आठ लोगों की मृत्यु हो चुकी है, जबकि दो लोग घायल हुए हैं। मुख्यमंत्री फडणवीस ने निर्देश दिए कि मृतकों के परिजनों को नियमों के अनुसार तत्काल आर्थिक सहायता दी जाए।

जलसंपदा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दीपक कपूर ने जानकारी दी कि उजनी बांध के जलाशय में जलस्तर ११ टीएमसी तक बढ़ गया है। वहीं, जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग के प्रधान सचिव संजय खंदारे ने बताया कि बीते चार दिनों में हुई बारिश से टैंकरों की संख्या में कमी आई है, हालांकि छत्रपति संभाजीनगर जिले में अब भी टैंकरों के माध्यम से जल आपूर्ति की जा रही है।

लिबीयाई हाजी कि सच्ची दास्तान।

जिस कि मदद को आया आसमान।

तिरूपलि।

तेरा अल्लाह से क्या नाता है...?

- ये कहानी है एक लीबीयाई युवक की, जिसकी सच्ची नीयत ने उड़ते जहाज़ को दो बार वापस बुला लिया

ये एक दिल को छू लेने वाली और हैरतअंगेज़ कहानी है हाजी आमिर अल-महदी की, जिसे लीबिया के एक छोटे से शहर सबहा एयरपोर्ट पर पासपोर्ट में किसी कमी की वजह से हज पर जाने से रोका गयाद्द

२६ मई २०२५ को अल-जज़ीरा के कार्यक्रम शबकात में ये वाकया सामने आया। जब हज यात्रियों के नाम पुकारे गए, आमिर एयरपोर्ट पर मौजूद था, लेकिन उसे विमान में चढ़ने से रोक दिया गया। जहाज़ रवाना हो गया, लेकिन आमिर ने हार नहीं मानी। वह पूरे विश्वास और अटूट यकीन से कहता रहा:

मैंने नीयत बाँध ली है, मैं हज के लिए जा रहा हूँ - और मैं जाऊँगा!

लोगों ने समझाया: फ़्लाइट जा चुकी है, अब घर लौट जाओ, और दुआ करो कि अगले साल हज नसीब हो। मगर आमिर का जवाब सीधा था:

ये जहाज़ मेरे बिना नहीं जाएगा, ये लौटेगा।

और फिर वही हुआ!

पहली बार उड़ान भरने के बाद जहाज़ को तकनीकी खराबी के कारण वापस एयरपोर्ट पर उतरना पड़ा। सबकी निगाहें आमिर पर टिक गईं, लेकिन पायलट ने तब भी सीढ़ी खोलने से इंकार कर दिया और जहाज़ को फिर से रवाना कर दिया - आमिर एक बार फिर रह गया।

मगर न वो टूटा, न पीछे हटा।

ये प्लेन फिर लौटेगा...

और कुछ ही देर बाद, उसी विमान में फिर तकनीकी गड़बड़ी हुई और वो दोबारा वापस आ गया।

अबकी बार पायलट ने खुद कहा:

जब तक आमिर अल-महदी सवार नहीं होंगे, मैं जहाज़ नहीं उड़ाऊँगा।

आख़िरकार वो क्षण आ ही गया, जब आमिर विमान में सवार हुआ - ये पल कैमरे में क़ैद हो गया और सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।रि अब मक्का पहुंच चुके हैं, एहराम में लिपटे हुए, अल्लाह का शुक्र अदा करते हुए कहते हैं:

अल्हम्दुलिल्लाह! मैं काबा पहुँच गया हूँ।

सोशल मीडिया पर लोगों का रिएक्शन:

एक यूज़र ने लिखा:

जब एक जहाज़ नहीं बल्कि दो बार जहाज़ तुम्हारे लिए लौटे, तो समझो तुम्हारा अल्लाह से खास नाता है।

दूसरे यूज़र ने कहा:

जब नीयत सच्ची हो, यकीन पक्का हो और तवक्कुल मुकम्मल हो, तब अल्लाह ऐसी करामतें दिखाता है।

किसी ने तंज़ में लिखा:

पहले नर्वस सिस्टम हिला दिया, फिर पायलट ने सीढ़ी खोलने से मना कर दिया? लेकिन आखिरकार आमिर की सच्ची लगन जीत गई।

सच में... यह वही अल्लाह है जो नीयतों का हाल जानता है।

और जब किसी दिल से निकली पुकार अर्श तक पहुँचती है - तो उड़ता जहाज़ भी लौट आता है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

वक्फ ॲक्टको लेकर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र सरकार को नोटिस

वक्फ अधिनियम १९९५ की संवैधानिक वैधता को दी गई है चुनौती

दिल्ली संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम १९९५ के कुछ प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अनुपस्थिति में सीजेआई बी. आर. गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की खंडपीठ ने यह आदेश दिया।

पीठ निखिल उपाध्याय द्वारा दाखिल उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें संशोधित वक्फ अधिनियम १९९५ की वैधता पर सवाल उठाए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को पहले से लंबित अन्य याचिकाओं के साथ जोड़ने का आदेश भी दिया, जिनमें इसी अधिनियम को चुनौती दी गई है।

देरी पर जताई नाराजगी

सुनवाई के दौरान सीजेआई गवई ने याचिकाकर्ता के वकील अश्विनी उपाध्याय से पूछा कि १९९५ के अधिनियम को अब क्यों चुनौती दी जा रही है। इस पर वकील ने जवाब दिया कि वे २०१३ के संशोधन को भी चुनौती दे रहे हैं। सीजेआई ने कहा कि इसमें भी १२ साल बीत चुके हैं। हम इसे देरी के आधार पर खारिज कर सकते हैं।

याचिकाकर्ता की दलीलें

याचिकाकर्ता ने दलील दी कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम २०२५ द्वारा संशोधित १९९५ का अधिनियम संविधान के अनुच्छेद १४ (समानता), १५ (धर्म के आधार पर भेदभाव का निषेध), २१ (जीवन का अधिकार), २५-२७ (धार्मिक स्वतंत्रता) का उल्लंघन करता है।

इसके अतिरिक्त, याचिका में तर्क दिया गया कि केवल मुस्लिम समुदाय के पास ही उनकी धार्मिक संपत्तियों को नियंत्रित करने के लिए विशिष्ट कानून है, जबकि अन्य धर्मों के पास ऐसा कोई कानून नहीं है, जिससे यह अधिनियम भेदभावपूर्ण बन जाता है।

पृष्ठभूमि में चल रही अन्य सुनवाई

वकील अश्विनी उपाध्याय ने यह भी बताया कि सुप्रीम कोर्ट पूर्व में पूजा स्थल अधिनियम १९९१ और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम १९९२ के खिलाफ दायर याचिकाओं की भी सुनवाई कर चुका है, जो समान प्रकृति के हैं।

मक्का में काबा के पवित्र स्थल पर सूर्य की शून्य छाया स्थिति और पृथ्वी के अन्य स्थानों पर किबला के दिशा निर्धारण की वैज्ञानिक पद्धति

-डॉ. काझी रफीक राही

इस्लामी दुनिया में, प्रार्थना के दौरान मक्का में पवित्र काबा, किबला की ओर मुड़ना बहुत महत्वपूर्ण है। मक्का शहर की भौगोलिक स्थिति के कारण, वर्ष में दो बार सूर्य सीधे काबा के ऊपर से गुजरता है, जिससे काबा बिना छाया के रह जाता है-इस घटना को शून्य छाया कहा जाता है। यह घटना किबला को निर्धारित करने के लिए उपयोगी है।

खगोलीय दृष्टिकोण

२३.५ ओ से ऊपर पृथ्वी की धुरी के झुकाव के कारण, सूर्य की उपस्थिति का मार्ग हर साल बदलता है। मक्का शहर २१ओ२५२छ के अक्षांश पर स्थित है, जिसके कारण सूर्य सीधे काबा के ऊपर से दो बार गुजरता हैः

२७ या २८ मईः सूरज सीधे काबा के ऊपर से गुजरता है, ताकि काबा की छाया दिखाई न दे।

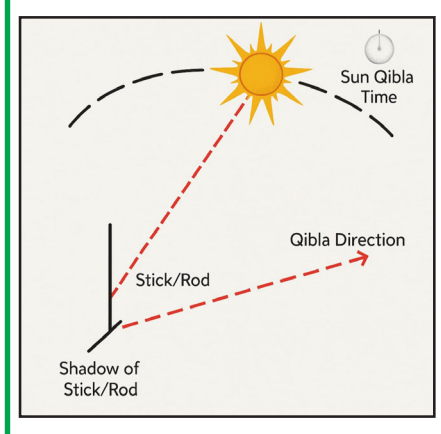

१५ या १६ जुलाईः सूरज फिर से सीधे काबा के ऊपर से गुजरता है, ताकि काबा की छाया दिखाई न दे।

इस समय, काबा के चारों ओर की छायाएँ गायब हो जाती हैं, जिससे किबला दृढ़ संकल्प के लिए उपयोगी हो जाता है।

किबला निर्धारित करने के लिए उपयोग करें

खगोलीय दृष्टिकोण से काबा के ऊपर सूर्य की शून्य छाया स्थिति महत्वपूर्ण है। यह घटना किबला को निर्धारित करने के लिए उपयोगी है और इस्लामी दुनिया में एक अनूठी खगोलीय घटना है। इस शून्य छाया स्थिति का उपयोग करके, दुनिया भर का मुस्लिम समुदाय किबला निर्धारित कर सकता है। उदाहरण के लिए, यदि काबा की दिशा किसी स्थान पर सूर्य की छाया से निर्धारित की जाती है, तो यह उस स्थान पर काबा की दिशा है।

जीरो शैडो विधि का उपयोग करके भारत में काबा की दिशा का पता लगाने के लिए, १२:२६ ि.ि. रियाद समय (जो ३:५६ ि.ि. ा. भारत का समय है) यहां जमीन पर एक ऊर्ध्वाधर छड़ी रखें। छड़ी की छाया की विपरीत दिशा काबा की ओर इंगित करेगी।

विस्तारः

'शून्य छाया' की घटना तब होती है जब सूर्य सीधे काबा के ऊपर होता है। पृथ्वी के झुकाव के कारण, सूर्य पूरे वर्ष भूमध्य रेखा के उत्तर और दक्षिण की ओर बढ़ता हुआ प्रतीत होता है। ग्रीष्म संक्रांति पर, सूर्य कर्क रेखा पर आकाश में सबसे ऊँचा होता है, और शीतकालीन संक्रांति पर, यह मकर रेखा पर सबसे ऊँचा होता है। कुछ तिथियों पर, सूरज काबा के साथ संरेखित होता है, जिससे वस्तुओं पर बहुत कम या कोई छाया नहीं होती है।

इसे खोजने की पद्धति

भारत में समय निर्धारित करें जब सूर्य काबा के ऊपर अपने चरम पर होता है, जो आमतौर पर लगभग ३:५६ ि.ि. समय होता है)

जमीन पर एक सीधी छड़ी रखनाः निर्धारित समय पर जमीन पर एक ऊर्ध्वाधर (सीधी) छड़ी रखें।

छाया अवलोकन-छड़ी द्वारा डाली गई छाया का अवलोकन करें। छाया की विपरीत दिशा काबा की दिशा दिखाएगी।

अरब देशों, उत्तरी गोलार्ध, अफ्रीका और यूरोप में रहने वाले लोग जमीन पर एक सीधी छड़ी से किबला की दिशा को चिह्नित कर सकते हैं। छड़ी की छाया किबल की दिशा को इंगित करेगी।

चीन, रूस और पूर्वी एशियाई देशों में रहने वाले लोग भी इस सरल विधि का पालन करके किबला की दिशा निर्धारित कर सकते हैं।

नोटः यह एक अनुमानित मार्गदर्शिका है। सटीक किबला दिशाओं के लिए, विशेष रूप से महत्वपूर्ण भौगोलिक भिन्नता वाले क्षेत्रों में, किबला कम्पास, एक ऑनलाइन किबला खोजकर्ता, या जीपीएस या चुंबकीय कम्पास डेटा का उपयोग करने वाले ऐप्स का उपयोग करने की सिफारिश की जाती है।

ऐतिहासिक संदर्भ

१२वीं शताब्दी में, खगोलविदों ज़घ्मिनी और नासिर अल-दीन अल-तुसी ने इस घटना का अध्ययन किया। उन्होंने काबा पर सूरज के सीधे होने के समय छाया के गायब होने को दर्ज किया था।

सामग्री और संदर्भ

Qibla observation by shadows - Wikipedia

The orientation of the Kaaba as described in medieval astronomical texts and confirmed by satellite images - ResearchGate

Some Remarks about the Influences of -stronomical Phenomena on Islamic -rchitecture - Lupine Publishers(The Express Tribune, Lupine Publishers)

बज़्म-ए-उर्दू अदब जलगांव द्वारा शायरों, पत्रकारों और साहित्यकारों के सम्मान का आयोजन

एहसान रसूलपुरी, क़य्यूम राज, मोइनुद्दीन उस्मानी और अकील खान बियावली को विभिन्न प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा.

जलगांव (सईद पटेल): स्थानीय संस्था बज़्म-ए-उर्दू अदब और अल-फ़ैज़ फाउंडेशन की ओर से जलगांव-ख़ानदेश के दो प्रमुख शायरों, साहित्यकारों और पत्रकारों को सम्मानित करने के लिए तीसरे वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन दिनांक ३१ मई २०२५, शनिवार को इक़रा थीम कॉलेज के के. के. मोती वाला सेमिनार हॉल में किया जा रहा है.इस वर्ष २०२४ के लिए:

वरिष्ठ शायर एहसान रसूलपुरी को अहमद आजिज़ बियावली अवॉर्ड,वरिष्ठ शायर क़य्यूम राज़ मारुलवी को साहिर अदबी अवॉर्ड,प्रख्यात लेखक मोइनुद्दीन उस्मानी को अहमद कलीम फैज़पुरी अवॉर्ड,तथा पत्रकार अकील खान बियावली को सैयद क़ासिम जलगांवी अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा.इन पुरस्कारों में ११,००० नकद, प्रशस्ति पत्र, शाल और गुलदस्ता भेंट किया जाएगा.इस अवसर पर पाँच पुस्तकों का विमोचन भी किया जाएगा:१. डॉ. प्रो. साजिद क़ादरी की पुस्तक रिसाला नकूश का अदबी सफ़र२. डॉ. प्रो.अयाज़ शाह की रचना पत्थर में जोंक ३. सलीम खान की किताब हम जब एक हो जाएँ४.असलम तनवीर का काव्य संग्रह तेरे बग़ैर५. एडवोकेट नंदकिशोर भोंडा की आत्मकथा यादश बख़ैर

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे:मुंबई के वरिष्ठ पत्रकार,शायर और समालोचक शमीम तारिक,ख़िलाफ़त हाउस मुंबई के अध्यक्ष और पत्रकार सरफराज़ आरज़ू,मराठवाड़ा अंबेडकर यूनिवर्सिटी औरंगाबाद के पूर्व निदेशक एर्तिकाज़ अफ़ज़ल,ऑल इंडिया रेडियो औरंगाबाद के प्रोग्राम अधिकारी मुक़ीम खान.अन्य विशिष्ट अतिथियों में शामिल हैं: डॉ. गयास उस्मानी, एजाज़ मलिक, एडवोकेट अकील इस्माईल, और जावेद अंसारी.कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व महापौर अब्दुल करीम सालार करेंगे.

अल-फ़ैज़ फाउंडेशन के अध्यक्ष अज़ीज़ सालार,सचिव मुश्ताक सालार और कोऑर्डिनेटर इफ्तिखार गुलाम रसूल ने जलगांव ज़िले के सभी साहित्य प्रेमियों,शायरो और लेखकों से कार्यक्रम में उपस्थित रहने की अपील की है.

शब्बीर अंसारी... मुस्लिम ओबीसी आंदोलन के संघर्षशील स्तंभ, आज स्वास्थ्य को लेकर चिंता में

मुंबई, प्रतिनिधि: महाराष्ट्र में मुस्लिम ओबीसी आंदोलन के पुरोधा माने जाने वाले शब्बीर अंसारी की तबीयत इन दिनों ठीक नहीं है। जैसे ही यह जानकारी सामने आई, रविवार को उनसे विशेष मुलाकात की गई। इस अवसर पर वंचित बहुजन आघाड़ी के प्रवक्ता और प्रदेश उपाध्यक्ष फारूक अहमद भी मौजूद थे।

शब्बीर भाई का योगदान सिर्फ मुस्लिम समाज तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने महाराष्ट्र में सामाजिक न्याय की लड़ाई को दिशा देने का महत्वपूर्ण कार्य किया। १९९० में जब तत्कालीन प्रधानमंत्री वी.पी. सिंह ने मंडल आयोग की सिफारिशें लागू कीं, तब शब्बीर अंसारी ने मुस्लिम ओबीसी समाज को उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करने और उन्हें संगठित करने का बीड़ा उठाया। उस दौर में मुस्लिम समाज में ओबीसी जागरूकता की कोई स्पष्ट दिशा नहीं थी-शब्बीर अंसारी ने वह दिशा दी।

आज जब ओबीसी आरक्षण पर अस्तित्व का संकट मंडरा रहा है, और मराठा आरक्षण के नाम पर सामाजिक ध्रुवीकरण हो रहा है, तब महाराष्ट्र के इस मजबूत स्तंभ की आंखों में चिंता की स्पष्ट झलक दिखाई दी। उन्होंने कहा, लड़ने वाला नेतृत्व कभी बना ही नहीं, इसी कारण ४३ साल बाद हासिल हुआ आरक्षण अब खत्म होने की कगार पर है। बिहार और उत्तर प्रदेश में जिस प्रकार राममनोहर लोहिया के पिछड़ा पावे सौ में साठ जैसे नारों से ओबीसी नेतृत्व खड़ा हुआ, वैसा महाराष्ट्र में क्यों नहीं हुआ-इसका दर्द शब्बीर अंसारी के शब्दों में झलकता रहा। बिहार के पहले पिछड़ा वर्ग के मुख्यमंत्री जननायक कर्पूरी ठाकुर जैसे नेताओं ने राजनीति में ब्राह्मण वर्चस्व को चुनौती दी और सामाजिक समता की प्रखर लड़ाई लड़ी। इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए बिहार ने जातिगत जनगणना भी पूरी की। वहीं, महाराष्ट्र आज भी प्रभावी पिछड़ा वर्गीय नेतृत्व के अभाव में दिशाहीन दिखाई देता है।

शब्बीर भाई के चेहरे पर एक ही चिंता साफ थी: मेरा काम अधूरा रह गया... यह पीड़ा केवल उनकी व्यक्तिगत नहीं थी, बल्कि एक खोई हुई पीढ़ी की सामूहिक वेदना थी।

इस मुलाकात के बाद मन में एक ही मंगलकामना है-शब्बीर अंसारी साहब जल्द स्वस्थ हों और एक बार फिर अपनी चिरपरिचित ऊर्जा के साथ सामाजिक आंदोलन के रणक्षेत्र में सक्रिय हों। क्योंकि आज भी हजारों कार्यकर्ताओं को राह दिखाने वाला वह अंधेरे का दीपक उन्हें ही बनना है।

भाजपा में 'इनकमिंग' की लगातार बारिश!

पूर्व विधायक दिलीप वाघ समेत पवार और ठाकरे गुट के कई नेता शामिल

मुंबई । विशेष प्रतिनिधि:

महाराष्ट्र में मानसून पूर्व बारिश के साथ ही सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में नेताओं के शामिल होने की बौछार भी शुरू हो गई है। मंगलवार को मुंबई स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में शरद पवार और उद्धव ठाकरे गुट के कई प्रमुख नेताओं और पदाधिकारियों ने भाजपा का दामन थाम लिया।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे, प्रदेश कार्याध्यक्ष रविंद्र चव्हाण, विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे, जलसंपदा मंत्री गिरीश महाजन और विधायक मंगेश चव्हाण सहित अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

पाचोरा-भडगांव विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक दिलीप वाघ ने राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) से इस्तीफा देकर भाजपा में प्रवेश किया। उनके साथ ही पूर्व सांसद वसंतराव मोरे के पुत्र पराग मोरे, रोहन मोरे, नाना महाजन, पारोला के पूर्व नगराध्यक्ष अशोक वाणी, पारोला बाजार समिति के संचालक नागराज पाटील और उबाठा गुट के शहर प्रमुख सोमनाथ देशमुख ने भी भाजपा का दामन थामा।

इसके अलावा अहमदनगर जिले की कर्जत नगर पंचायत के राष्ट्रवादी कांग्रेस (पवार गुट) और कांग्रेस पार्टी से जुड़े ११ नगरसेवकों ने भी भाजपा में शामिल होने की घोषणा की। इस अवसर पर भाजपा मीडिया विभाग के प्रमुख नवनाथ बन और प्रदेश प्रवक्ता ओमप्रकाश चौहान भी उपस्थित थे।

रवींद्र चव्हाण बने अखिल भारतीय कामगार कर्मचारी संघ के अध्यक्ष

मंगलवार को अखिल भारतीय कामगार कर्मचारी संघ की सदस्य कंपनियों के सैकड़ों कर्मचारियों ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इसी मौके पर भाजपा के प्रदेश कार्याध्यक्ष रविंद्र चव्हाण को संघ का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

इंडिगो, स्पाइसजेट, बीडब्ल्यूएफएस और एयर इंडिया जैसी प्रमुख एयरलाइनों के कर्मचारी संघों से जुड़े सदस्यों ने उबाठा सेना से हुए अन्याय के खिलाफ आवाज उठाते हुए भाजपा में प्रवेश करने का निर्णय लिया।

महिला आयोग को पहचान दिलाने का श्रेय रूपाली ताई चाकणकर को जाता है-शेख मेहराज

बीड, २७मई (संवाददाता)

महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर के इस्तीफे की मांग इन दिनों विपक्ष और कुछ अन्य लोगों द्वारा की जा रही है। उनके कार्यकाल और कार्यशैली पर सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि आलोचना करने वालों का काम ही आलोचना करना है। इसी आलोचना को नजरअंदाज करते हुए रूपाली चाकणकर ने अक्टूबर २०२१ से मार्च २०२५ तक के अपने कार्यकाल का विस्तृत रिपोर्ट जारी करके आलोचकों को करारा जवाब दिया।

यह चर्चा आम हो चुकी है कि महिला आयोग की पहचान आमजन और अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का कार्य रूपाली ताई चाकणकर के नेतृत्व में ही संभव हुआ। उन्हें प्रदेशभर से समर्थन मिल रहा है।

राज्य में महिला आयोग की स्थापना को कई वर्ष हो चुके हैं और इस दौरान कई अध्यक्ष आए और गए, लेकिन उनका नाम तक लोगों को मालूम नहीं होता था। महिला आयोग का कार्य बहुत सीमित और कुछ लोगों तक ही सीमित था। लेकिन आज हालात बदल चुके हैं। महाराष्ट्र के गांव-गांव, तांडा-बस्ती तक महिला आयोग के बारे में जानकारी है, उसके कार्य क्या हैं और वर्तमान अध्यक्ष कौन हैं - यह सहजता से बताया जा सकता है। इसका पूरा श्रेय रूपाली चाकणकर को जाता है।

हालांकि, हाल ही में वैष्णवी हगवणे दहेज मृत्यु प्रकरण को लेकर रूपाली चाकणकर के खिलाफ विरोध की लहर उठी है और उनके इस्तीफे की मांग की जा रही है। लेकिन उन्होंने इन विरोधों पर ध्यान न देते हुए अपने काम पर केंद्रित रहना उचित समझा। उन्होंने विरोधियों को उनके ही अंदाज में जवाब देते हुए एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें बताया गया कि अक्टूबर २०२१ से मार्च २०२५ तक महिला आयोग को कुल ३५,९७१ आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से ३५,२८२ मामलों का निपटारा हो चुका है, जबकि ६८९ मामले कार्रवाई के स्तर पर हैं।

इस आंकड़े से स्पष्ट होता है कि महिलाओं का विश्वास महिला आयोग पर बढ़ा है और यह विश्वास रूपाली चाकणकर की मेहनत और प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने जमीनी स्तर पर काम करके पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसे कोई नकार नहीं सकता।

रूपाली ताई के ईमानदार कार्य से विरोधियों को हो रहा है पेट दर्द - शेख मेहराज

शेख मेहराज ने कहा कि वैष्णवी हगवणे प्रकरण गंभीर है और दोषियों को सज़ा मिलनी ही चाहिए। महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर ने इस प्रकरण को गंभीरता से लिया है और त्वरित कार्रवाई शुरू की है। लेकिन विपक्ष ने इस मुद्दे पर राजनीति कर उन्हें निशाना बनाना शुरू कर दिया है, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है।

रूपाली ताई ने अपने कार्यों का लेखा-जोखा सार्वजनिक कर दिया है, जिससे विपक्ष की बेचैनी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि आज आम जनता महिला आयोग को जानती है तो वह सिर्फ रूपाली चाकणकर की वजह से है। हम सब उनके साथ मजबूती से खड़े हैं, और विपक्ष के विरोध की हमें कोई परवाह नहीं है।

यह तीखी प्रतिक्रिया रूपाली चाकणकर के कट्टर समर्थक शेख मेहराज ने व्यक्त की।

पात्र किसानों को १००% फसल ऋण वितरित करें; बीजों की कालाबाजारी और फर्जीवाड़े पर रोक लगाई जाए-डॉ. ज्योति मेटे की मांग

बीड (प्रतिनिधि): भारत मौसम विभाग के अनुसार इस वर्ष मानसून समय पर महाराष्ट्र में प्रवेश कर चुका है और औसत से अधिक वर्षा का अनुमान जताया गया है, जो कि किसानों के लिए संतोषजनक खबर है। ऐसे में खरीफ सीजन २०२५ के लिए पात्र किसानों को १००% फसल ऋण वितरित किया जाना आवश्यक है।

शिवसंग्राम संगठन की अध्यक्ष डॉ. ज्योति विनायकराव मेटे ने सोमवार को बीड के जिलाधिकारी विवेक जॉनसन से मुलाकात कर यह मांग की कि किसानों को समय पर फसल ऋण मिले, बीजों की कालाबाजारी और नकली बीजों पर रोक लगे। उन्होंने कहा कि जनवरी से अप्रैल २०२५ तक राज्य में सबसे अधिक किसान आत्महत्याएं बीड जिले में दर्ज की गई हैं, जो अत्यंत चिंताजनक है। ऋणभार, फसल को मूल्य न मिलना और मौसम की मार ये प्रमुख कारण

किसान आत्महत्याओं के पीछे हैं।

डॉ. मेटे ने बताया कि खरीफ २०२५ के लिए जिले का लक्ष्य १,५६६ करोड़ रुपये का है। पिछले खरीफ २०२४ में यह लक्ष्य १,७०७ करोड़ रुपये था, जिसमें से मात्र १,१७३ करोड़ रुपये की पूर्ति हुई, यानी ६९%। बीड जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक ने इसमें ६१% योगदान दिया, जबकि राष्ट्रीयकृत बैंकों का प्रदर्शन अपेक्षा से कम रहा। अतः चालू खरीफ में राष्ट्रीयकृत और अन्य बैंकों को निर्धारित लक्ष्य पूरा करना अनिवार्य किया जाए।

उन्होंने आगे कहा कि कृषि, महसूल और सहकार विभाग के समन्वय से पात्र खाताधारकों को १०९% सदस्य बनाया जाए तथा नए किसानों को ऋण वितरण के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। साथ ही खाद और बीजों की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और उनके साथ किसी भी तरह की लिंकिंग न की जाए।

डॉ. मेटे ने मांग की कि नकली बीजों की बिक्री और ऊंचे दाम पर विक्रय पर सख्ती से प्रतिबंध लगाया जाए और किसानों के लिए एक शिकायत प्रणाली सार्वजनिक की जाए ताकि वे अपनी समस्याएं समय पर दर्ज करा सकें।

इस अवसर पर शिवसंग्राम प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभाकर कोलंगडे, जिलाध्यक्ष प्रा. सुभाष जाधव, जिलासचिव अनिल घुमरे पाटील, शहराध्यक्ष सुहास पाटील, तालुकाध्यक्ष पंडित माने, मनोज जाधव, जितांजली डोरले, संगीता ठोसर, हरिश्चंद्र ठोसर और प्रशांत डोरले आदि मौजूद थे।

विशेष निर्देश: कृषि सेवा केंद्रों पर हेल्पलाइन नंबर अनिवार्य

इस संदर्भ में जिलाधिकारी विवेक जॉनसन ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन इन सभी मुद्दों पर तत्परता से कार्य करेगा। साथ ही उन्होंने घोषणा की कि सभी कृषि सेवा केंद्रों पर एक सार्वजनिक मोबाइल नंबर चस्पा किया जाएगा, जिससे किसान सीधे जिलाधिकारी तक अपनी समस्याएं पहुंचा सकें। इसके अलावा, डीएलसीसी बैठकों में ऋण वितरण की नियमित समीक्षा की जाएगी।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com